बाल साहित्य सृजन

काव्य संकलन

अप्रैल 2026

मिशन शिक्षण संवाद

साहित्यिक पटल

01/04/2026 बुधवार

बाल साहित्य सृजन

1 शिक्षा बहुत जरूरी

शिक्षा बहुत है जरूरी,
इसलिए स्कूल है जरूरी।
कोई है ना अब मजबूरी,
स्कूल चलना बहुत जरूरी।।

ज्ञान का दीप हमे जलाना,
हर बच्चे को शिक्षित बनाना।
हर बच्चे की शिक्षा हो पूरी,
अब स्कूल चलना है जरूरी।।

इला सिंह(स.अ)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा
अमौली फतेहपुर

2 विद्यालय की ओर

आओ मेरे प्यारे बच्चे,
विद्यालय की ओर।
आनंदमयी हम शिक्षा देंगे,
किसी बात का ना कोई जोर।।

किताबें,भोजन फ्री मिलेगा।
खेलन को खेल सामग्री,
डीबीटी का पैसा मिलेगा।
अब ना रहे कोई मजबूरी।।

माला सिंह(स०अ०)उच्च
प्रा०वि०-भरौटा(1-8)
ब्लॉक-सरधना
जनपद-मेरठ

3 नामांकन कराओ

आओ प्यारे बच्चों आओ,
स्कूल में नामांकन तुम कराओ।
अपने भाई-बहनों को भी लाओ,
शिक्षा का महत्व उनको समझाओं।।

नये-नये दोस्त तुम्हें मिलेंगे,
पढ़ाई संग मस्ती भी करेंगे।
नयी-नयी चीजें तुम सीखोगे,
स्कूल में जब तुम दाखिला लोगे।।

आरती यादव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनियां -1
सरवनखेड़ा कानपुर देहात

4 स्कूल चलें हम

हर बच्चे को स्कूल है जाना
पढ़कर बड़ा नाम है कमान।
चेहरे पर आती है एक मुस्कान,
स्कूल पहुंच बच्चा लेता ज्ञान।

जागरूक हो अलख जगाना है,
एक-एक बच्चे स्कूल पहुंचाना है।
शिक्षा की नींव मजबूत बनाना है,
बच्चों को स्कूल तक पहुंचाना है।।

नीलम भास्कर (स०अ०)
पी एम श्री उ०प्रा०वि०सिसाना
बागपत, बागपत

02/04/2026

बाल साहित्य सृजन

गुरुवार

1

स्कूल चलें

छोटे छोटे प्यारे बच्चे,
मन के कच्चे सारे बच्चे।
छः वर्ष के हों पूर्ण तो,
हो गये ये हमारे बच्चे।।

माता पिता से अनुरोध,
स्कूल में नाम लिखवायें।
साक्षर समाज बनाने की,
जिम्मेदारी अपनी निभायें।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत

2

चलो स्कूल चलें

चलो-चलो स्कूल चलें,
सपनों को सच बनाएं।
ज्ञान की रोशनी लेकर,
जीवन में रंग सजाएं॥

ना कोई बच्चा छूटे,
सब पढ़ने को आएं।
अज्ञानता के अंधेरे को,
मिलकर दूर भगाएं॥

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर

3

विद्यालय आओ

आओ बच्चों विद्यालय आओ,
खेलो कूदो पढ़कर जाओ।
एक दो तीन और चार,
खेल-खेल में सीखते जाओ।।

दैनिक क्रिया से निपटकर,
नहा धोकर स्कूल में आओ।
सब्जी-चावल,दाल, तहरी,
पौष्टिक फल और रोटी खाओ।।

पारुल चौधरी (स॰अ॰)
प्राथमिक विद्यालय बसी-3
खेकड़ा, बागपत

4

स्कूल चले हम

एक, दो, तीन, चार,
स्कूल चले हम सब यार ।
किताब, बैंग, ड्रेस हम पाये,
सरकारी स्कूल में नाम लिखायें ।।

पढ़ाई, संस्कार साथ में पाये,
खेलकूद हमें अव्वल बनाये।
विभिन्न गतिविधि TLM अपनायें,
शिक्षक -बच्चे साथी बन जाये।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

03/04/2026 शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1 मुन्ना-मुन्नी स्कूल जाओ

मुन्ना-मुन्नी एक समान,
ये हैं भारत का सम्मान।
दोनों को पढ़ने जाना है,
नभ छूकर दिखलाना है।।

नया सत्र है तुम्हें बुलाता,
खेल-खेल में तुम्हें सिखाता।
हर बच्चा स्कूल जाएगा,
जीवन सफल बनाएगा।।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली,बागपत

2 स्कूल चले हम

नये सत्र का शुभारम्भ,
नये जोश से करना है।
नयी कक्षा में प्रवेशारम्भ,
सबको मिलकर करना है।।

स्कूल चलो अभियान का,
संदेश घर-घर पहुँचाना है।
एक भी न छूटे इस बार,
यह संकल्प निभाना है।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

3 स्कूल चलो अभियान

विद्यालय की बगिया में,
बच्चों तुम रोज आना।
तुमसे ही है यह फुलवारी,
प्यारे बच्चों भूल न जाना।।

विद्यालय मे शिक्षा पाकर,
अपना जीवन महकाना।
स्कूल चलो अभियान को,
जन-जन तक है पहुँचाना।।

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4 स्कूल चलो

चलो-चलो, स्कूल चलो,
चलो बच्चों, स्कूल चलो।
लेकर बस्ता, पेन, पेंसिल,
चलो बच्चों पढ़ने चलो।।

शिक्षा है अनमोल रत्न,
पढ़ने की मन में ठान लो।
पढ़-लिखकर बनते विद्वान,
यही सीख अब मान लो।।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत

04/04/2025 शनिवार

बाल साहित्य सृजन

1 अभिभावक सम्पर्क

नए सत्र की शुरुआत हो जब,
अभिभावक संपर्क के साथ।
लाए खुशियों की सौगात,
बन जाए नामांकन की बात।।

मासिक, त्रैमासिक हो बैठक,
साथ मूल्यांकन, परीक्षाफल।
निपुण भारत में है भूमिका,
अभिभावक संग संभव होता।

रचना - सुमन पाण्डेय प्र.अ
प्राथमिक विद्यालय टिकरी मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

2 विद्यालय चलो

विद्यालय चलो, अब यही पुकार,
ज्ञान का सागर, खुशियों का द्वार।
बैग में सपने, आँखों में उजाला,
सीखने का हर दिन लगे निराला।।

मित्रों संग हँसना, खेलना-गाना,
गुरु से जीवन का सच्चा पाठ पाना।
मेहनत की राह हमें आगे बढ़ाए,
विद्यालय चलो, भविष्य मुस्काए।।

रचना - सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कंपोजिट उ० प्रा० वि० खजनी
रुद्रपुर, गोरखपुर

3 शिक्षा का महत्व

शिक्षा जीवन का आधार,
जीवन को देती है आकर।
अंधकार को दूर भगाकर,
रोशनी का देती उपहार।।

शिक्षा देती नई उड़ान,
शिक्षा से मिलती पहचान।
शिक्षा देती आत्मनिर्भरता,
जिससे बनता देश महान।।

रचना- रूपी त्रिपाठी(स०अ०)
उ०प्रा०वि०लोहारी(1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

4 नामांकन रैली

आओ बच्चों नाम लिखाओ,
नामांकन रैली में आओ।
एक भी बच्चा छूटे न,
नामांकन का चक्र टूटे न।।

घर-घर जाकर सम्पर्क करें,
अभिभावकों को प्रेरित करें।
हम सबका एक ही सपना,
शिक्षित हो हर बच्चा अपना।।

रचना - प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

सोमवार

06.04.2026

बाल साहित्य सृजन

1 मेरी पुस्तक

कितनी सुन्दर कितनी प्यारी!
रंग-बिरंगी पुस्तक न्यारी।
तरह-तरह की बातें बतलाती,
सबको राह सही दिखलाती।।

कितने प्यारे चित्र हैं इसमें!
रंग-बिरंगे किस्से हैं जिसमें।
नयी-नयी कविताएँ पढ़ लो,
अच्छी-सच्ची बातें चुन लो।।

रचना-
बृजराजसारस्वत (स०अ०)
उ०प्रा०वि०गोपालगढ़ (1-8)
नगरक्षेत्रमथुरा, मथुरा

2 मेरा स्कूल

कितना सुन्दर मेरा स्कूल!
खिले यहाँ हैं सुन्दर फूल।
तरह-तरह वृक्षों की छाया,
आँगन देख हृदय हर्षाया।।

बच्चे करते रोज पढ़ाई,
खेल-खेल से समझ बढ़ाई।
हिन्दी, गणित और विज्ञान,
सब विषयों का मिलता ज्ञान।।

रचना-
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

3 मेरी पेन्सिल

छोटे-छोटे, प्यारे बच्चे,
जाते सब स्कूल हैं।
अप्रैल का आया महीना,
घर पर रहना भूल है।।

रंग-बिरंगी पेन्सिल दो,
शिक्षा का हथियार हैं।
देखो! प्यारे-प्यारे बच्चे,
पढ़ने को तैयार हैं।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

4 मेरा बस्ता

बस्ता मुझे बहुत प्यारा,
कहलाता जादुई पिटारा।
इसके अन्दर मेरी किताबें,
देती मुझको ज्ञान बहुत सारा।।

लिखने की कॉपी इसके भीतर,
रबड़ और पेंसिल इसके भीतर।
रखती हूँ मैं आर्ट बुक भी,
रंग-बिरंगे कलर्स इसके भीतर।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
निवाड़ा, बागपत

07.04.2026 मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1 स्कूल

पढ़ने को हम स्कूल जाते,
स्कूल-ड्रैस पहनकर आते।
बैग में रखते किताब, कॉपी,
समय से हम स्कूल पहुँच जाते।।

हमारे टीचर देख मुस्कुराते,
ईश-वन्दना, राष्ट्रीय-गान कराते।
अखबार पढ़ते, समाचार सुनाते,
पी०टी०, योग करके कक्षा में चले जाते।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

2 शिक्षक

शिक्षा का जो प्रसार करता,
शिक्षक है कहलाता।
ज्ञान रूपी ज्योति जलाकर,
सुयोग्य नागरिक बनाता।।

अज्ञान, कुरीतियों को दूर भगाता,
सुशिक्षित समाज का निर्माण कराता।
देश का भावी भविष्य बनाकर,
अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत कराता।।

रचना-
उमा ठाकुर (इं०प्र०अ०)
प्रा० विद्यालय- राजपुर
मथुरा, मथुरा

3 छात्र

छात्र वही है जो करें,
गुरुजन का सम्मान।
गुरु चरणों में बैठकर,
सीखे नित नव-ज्ञान।।

सीखे नित नव-ज्ञान,
सदा हो आज्ञाकारी।
काक-चेष्टा, वको-ध्यान,
हो अल्पाहारी।।

रचना-
प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के०जी०बी०वि०- नगर क्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज

4 अभिभावक

चलो चलो सम्पर्क करें,
सभी अभिभावकों से हम।
उन्हें प्यार से यह समझाएँ,
हमारे स्कूल नही किसी से कम।।

अभिभावकों से मिल हमें,
उन्हें जागरुक बनाना है।
बेहतर शिक्षा दिलाने हेतु,
सरकारी स्कूल में आना है।।

रचना-
शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

08/04/2026 बुधवार

बाल साहित्य सृजन

1

नवजागरण

भारत मे नवजागरण लाये,
हर छात्र को शिक्षित बनाये।
ज्ञान की हर ओर जोत जलाये,
हर बच्चे को निपुण बनाये।।

हर बच्चे का नामांकन कराये,
शिक्षा का प्रसार तेज फैलाये।
आओ,भारत को सुशिक्षित बनाये,
भारत मे फिर से नवजागरण लाये।।

इला सिंह(स.अ)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा
अमौली फतेहपुर

2

ज्ञान की ज्योति जलाएं

आओ मेरे प्यारे बच्चे,
विद्यालय की ओर।
आनंदमयी हम शिक्षा देंगे,
किसी बात का ना कोई जोर।।

किताबें,भोजन फ्री मिलेगा।
खेलन को खेल सामग्री,
डीबीटी का पैसा मिलेगा।
अब ना रहे कोई मजबूरी।।

माला सिंह(स०अ०)उच्च
प्रा०वि०-भरौटा(1-8)
ब्लॉक-सरधना
जनपद-मेरठ

3

शिक्षित छात्र

घर-घर शिक्षा फैलाये,
हर बच्चे को शिक्षित बनाये।
देश का विकास होगा,
हर बच्चा जब शिक्षित होगा।।

पढ़ लिखकर आगे बढ़ना,
सबका नाम तुम रोशन करना।
अशिक्षा को दूर भगाओ,
शिक्षा को तुम अपनाओ।।

आरती यादव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनियां -1
सरवनखेड़ा कानपुर देहात

4

शिक्षा का प्रसार

सर्व शिक्षा अभियान नारा,
शिक्षा है संकल्प हमारा।
जन-जन को आज समझाना,
अपने मुन्ना- मुन्नी आप पढ़ाना।

मजदूर, किसान ग्राम लोहार,
अब ना माने शिक्षा से हार।
मुफ्त शिक्षा और स्कूली ज्ञान,
प्रसार से होगा सबका कल्याण।।

नीलम भास्कर (स०अ०)
पी एम श्री उ०प्रा०वि०सिसाना
बागपत, बागपत

09/04/2026 गुरुवार

बाल साहित्य सृजन

1 स्कूल और मैं

स्कूल की घंटी मुझको भाती,
प्यारी-प्यारी टीचर आती।
मेरे मन को सारी भाती,
नयी-नयी वो बात सिखाती।।

स्कूल में सारा दिन बीता,
वापस मैं घर को आती।
होमवर्क मैं करती सारा,
अगले दिन शाबासी पाती।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत

2 किताबों से दोस्ती

किताबों से दोस्ती कर,
आगे कदम बढ़ाएं।
हर बच्चा शिक्षित होकर,
देश का नाम बढ़ाएं॥

स्कूल चलो अभियान है,
उज्ज्वल भविष्य की राह।
आओ मिलकर कसम खाएं,
पढ़ाई ही है अपनी चाह॥

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर

3 नामांकन

कोई भी बच्चा छूट न जाए,
बेसिक में नामांकन करवाएं।
कोई भी शुल्क न देना पड़ता,
अनगिनत है यहाँ सुविधाएं।।

अभिभावकों से है अनुरोध,
कोई अवरोध न आड़े लाएं।
शिक्षक का सहयोग करें,
और हर बच्चे को खूब पढ़ाएं।।

पारुल चौधरी (स॰अ॰)
प्राथमिक विद्यालय बसी-3
खेकड़ा, बागपत

4 बेसिक में नामांकन

नामांकन के छूटे कड़ी,
नाम लिखवाओ अभी के अभी।
भाई बहनों को संग में लाओ,
शिक्षा का महत्व उन्हें समझाओ।।

स्कूल में मिलेंगे संगी-साथी,
पढ़ाई संग फिर होगी मस्ती।
जागरूकता का अलख जगाओ,
आओ बच्चों सब स्कूल में आओ।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

10/04/2026

शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1 स्कूल चलो

शिक्षा जीवन का आधार,
है हर बच्चे का अधिकार।
स्कूल चलो ,स्कूल चलो,
पाओ विद्या का उपहार।।

सब सुविधाएँ देगा स्कूल,
बात नहीं तुम जाना भूल।
नैतिकता और संस्कार से
खिल जाएगा मन का फूल।।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली,बागपत

2 प्रवेश उत्सव

प्रवेश उत्सव का आयोजन,
बेसिक स्कूलों में हो रहा।
निःशुल्क शिक्षा का प्रचार,
प्रत्येक गाँव-गाँव हो रहा।।

सरकारी योजनाओं से,
सबको परिचित कराना है।
डीबीटी की धनराशि को,
हर बच्चे तक पहुँचाना है।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

3 शिक्षा का अधिकार

शिक्षा का अधिकार अब,
हर एक बच्चा पाएगा।
विद्यालय की बगिया में,
नाम उसका लिख जाएगा

संस्कारों की उत्तम शिक्षा,
वह गुरुजनों से पायेगा।
नैतिकता की राह पर चलकर,
जीवन अपना महकाएगा।।

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4 शिक्षा एक दीपक

शिक्षा है वह दीपक,
जो अंधकार को दूर भगाता है।
यह है ज्ञान का सागर,
जो सबको पार लगाता है।।

शिक्षा करती भविष्य निर्माण,
जो सुनहरे स्वप्न सजाता है।
शिक्षा है एक सुखमय सफर,
जो ज्ञान की राह दिखाता है।।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत

11/04/2025 शनिवार

बाल साहित्य सृजन

1 शिक्षा चौपाल

अभिभावकों की भागीदारी,
सुनिश्चित करने की आई बारी।
विद्यालय को समाज के साथ,
मजबूती से जोड़ने की तैयारी।।

बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा,
सामाजिक सहयोग व बच्चों।
की शैक्षिक प्रगति व गुणवत्ता,
हेतु शिक्षा चौपाल की तैयारी।

रचना- सुमन पाण्डेय (प्र०अ०)
प्राथमिक विद्यालय टिकरी मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

2 पौष्टिक भोजन

पौष्टिक भोजन अमृत जैसा,
तन-मन को बल देता है।
हरी सब्ज़ी, फल, दालों से,
जीवन सुखमय रहता है।।

दूध-दही से शक्ति बढ़े,
हड्डियाँ मजबूत बनें।
अन्न, दाल, मेवा खाकर,
हम रोगों से दूर रहें।।

सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कंपोजिट उ० प्रा० वि० खजनी
(रुद्रपुर), गोरखपुर

3 स्मार्ट क्लास

कक्षा में अब चमक है आई,
स्मार्ट क्लास नई रोशनी लाई।
स्पर्श से खुलती दुनियां सारी,
इंटरनेट से मिलती जानकारी।

स्मार्ट क्लास की जादुई दुनिया,
दूर होती हर एक खामियां।
ज्ञान की रोशनी है चारो ओर,
भारत उज्ज्वल भविष्य की ओर।।

रचना- रूपी त्रिपाठी(स०अ०)
उ०प्रा०वि०लोहारी(1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

4 पुस्तकालय

बच्चों! सुनों हमारी बात,
पुस्तकें देती हमारा साथ।
पुस्तकों का घर होता है,
पुस्तकालय नाम होता है।।

अज्ञानता करती हैं दूर,
ज्ञान देती सबको भरपूर।
तरह-तरह की पुस्तकें होती है,
सच्ची मित्र हमारी होती है।।

रचना - प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

सोमवार

13.04.2026

बाल साहित्य सृजन

1

मेरी मैडम...

मेरी मैडम मुझको प्यारी,
लगती है वह सबसे न्यारी।
बहुत प्यार से हमें पढ़ाती,
खेल-खेल में हमें सिखाती।।

हम भी करते उनका सम्मान,
उनसे मिलता बहुत सा ज्ञान।
हर विषय वह हमें पढ़ाती,
अच्छा-बुरा हमको समझाती।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
निवाड़ा, बागपत

2

मेरे दोस्त

मेरे दोस्त हैं कितने प्यारे,
हैं वो तो सब जग से न्यारे।
मिल कर मस्ती सब करते हैं,
कभी ना उधम से थकते हैं।।

सारे शोर मचाते मिलकर,
टीचर से डर जाते छुपकर।
संग में मिलकर खाना खाते,
संग छुट्टी में घर को जाते।।

रचना-
बृजराजसारस्वत (स०अ०)
उ०प्रा०वि०गोपालगढ़ (1-8)
नगरक्षेत्रमथुरा, मथुरा

3

मेरा बस्ता

मेरा बस्ता सबसे सुन्दर,
अनेक वस्तुएँ इसके अन्दर।
कॉपी और किताबें मेरी,
कलर रंगीले इसके अन्दर।।

एक रुमाल रखा है मैंने,
लन्च बॉक्स इसमें रहता है।
मेरे संग घर से स्कूल का,
रास्ता रोज ये तय करता है।।

रचना-
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

4

मेरी कक्षा

मेरी कक्षा सबसे सुन्दर,
लगती मुझको प्यारी है।
मेरी कक्षा साफ रहे,
हम सबकी जिम्मेदारी है।।

रंग-बिरंगे चार्ट लगे है,
मानचित्र भी सभी लगे हैं।
ज्ञान, प्रेम की वर्षा होती,
लगता सोते भाग्य जगे हैं।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

14.04.2026 मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1 शिक्षण

शिक्षण विधि उत्तम अपनाओ,
अपने बच्चों को निपुण बनाओ।
शिक्षण विधि हो प्रभाव शाली,
बच्चें होंगे सब प्रतिभाशाली।।

रोज़ नया जब मिलेगा ज्ञान,
बच्चे लेंगे रुचि से संज्ञान।
सभी बच्चे हो सबसे आगे,
सब बच्चों का करना सम्मान।।

रचना-
शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

2 पाठ्यक्रम

विषय के अनुरूप प्रत्येक,
पाठ को व्यवस्थित करना।
रुचिपूर्वक पाठ को शुरु से,
पढ़ना और समझना।।

पाठ्यक्रम से ही सम्भव है,
जो कि होता निर्धारित है।
विषय की पकड़ छात्र की,
लगन और रुचि पर आधारित है।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8-) तेहरा
मथुरा, मथुरा

3 नियमितता

निश्चित समय पर कार्य होना,
नियमितता है कहलाती।
जीवन में सफलता को,
नियमितता सुनिश्चित करती।।

खान-पान और स्वास्थ्य में,
नियमितता सुधार कराती।
दिनचर्या में बदलाव करके,
समय का सदुपयोग सिखाती।।

रचना-
उमा ठाकुर (इं०प्र०अ०)
प्राथमिक विद्यालय-राजपुर
मथुरा, मथुरा

4 अनुशासन

अनुशासन समाज,
को उन्नत करता है।
अनुशासन हर दोष,
गर्त को भरता है।।

अनुशासन से शून्य,
राष्ट्र तो मृत है।
अनुशासन तो जग,
जीवन का अमृत है।।

रचना-
प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के० जी० बा० वि०- नगरक्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज

15/04/2026 बुधवार

बाल साहित्य सृजन

1 रोचक पुस्तकें

पढ़नें मे खूब रूचि जगती,
जब पुस्तकें रोचक लगती।
ध्यान अपनी ओर खींच लेती,
आकर्षक चित्रो से सजी होती।।

कागज हो चिकने रंग बिरंगे,
लुभाने तस्वीरो से सजे धजे।
मन को पाठ खूब भाने लगते,
अपनी ओर बच्चो को खींच लेते।।

इला सिंह(स.अ)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा
अमौली फतेहपुर

2 प्रभावी शिक्षण

प्रभावी शिक्षण वही होता है,
जिसमें बच्चें रुचि पूर्वक सीखते हैं।
रुचिपूर्ण गतिविधियों में,
बच्चे भी शामिल रहते हैं।।

बच्चों का ज्ञान स्थाई होगा,
आत्मविश्वास भी बढेगा है।
अच्छे नागरिक बच्चें बनेंगे,
राष्ट्र निर्माण में भागीदारी करेंगे।।

माला सिंह(स०अ०)उच्च
प्रा०वि०-भरौटा(1-8)
ब्लॉक-सरधना
जनपद-मेरठ

3 विद्यालय:एक मंदिर

विद्यालय एक मन्दिर,
जहां ज्ञान हमें मिलता।
कहते इसे शिक्षा का मन्दिर,
अंधकार को हमारे दूर करता।।

अज्ञानता को दूर भगाते,
शिक्षा का प्रकाश फैलाते।
अच्छी-अच्छी बातें यहां सीखते,
ज्ञान को अपने हम बढ़ाते।।

आरती यादव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनियां -1
सरवनखेड़ा कानपुर देहात

4 प्रिंट रिच सामाग्री

प्रिंट रिच सामाग्री सें,
कक्षा आकर्षक लगती।
मन लगता है छात्रों का,
और पढ़ाई रोचक होती।।

प्रिंट रिच सामाग्री विद्यालय,
स्वच्छ,सन्दर सन्देश फैलाये।
किताबों में लिखा ज्ञान अब,
दिवारों पर सरल भाषा समझायें।।

नीलम भास्कर (स०अ०)
पी एम श्री उ०प्रा०वि०सिसाना
बागपत, बागपत

16/04/2026

बाल साहित्य सृजन

गुरुवार

1 सरकारी स्कूल

सरकारी स्कूल बुलाता है,
हमको सपने दिखलाता है।
डीबीटी, कायाकल्प, शिक्षा,
का लाभ दिलवाता है।।

गणित, विज्ञान, भाषा की,
दुनिया से मिलवाता है।
हमारा स्कूल हमारे भविष्य को,
रोज़ थोड़ा-थोड़ा चमकाता है।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत

2 हर दिन कुछ नया सीखें

चलो, चलो स्कूल चलें,
मिलकर हम सब पढ़ने चलें।
बैग उठाकर हँसते जाएँ,
नई-नई बातें सीखते जाएँ॥

किताब, कॉपी साथ में लाएँ,
अच्छे-अच्छे दोस्त बनाएँ।
खेलें, कूदें, गीत भी गाएँ,
हर दिन कुछ नया सीख जाएँ॥

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर

3 पढ़ाई संग संस्कार

शिक्षा की हम अलख जगाये,
हर बच्चा विद्यालय आये।
बेसिक का आधार है बेसिक,
जन-जन को समझाया जाये।।

छूट रहे जो नैतिक मूल्य,
उनको फिर से वापस लाये।
अक्षर ज्ञान के साथ-साथ,
संस्कार का पाठ पढ़ाये।।

पारुल चौधरी (स·अ·)
प्राथमिक विद्यालय बसी-3
खेकड़ा, बागपत

4 नाम लिखवाओ

रोली, गुड़िया, राजू आओ,
चलकर तुम अब नाम लिखो।
ड्रेस, जूता, बस्ता सब पाओ,
सरकारी स्कूल में नाम लिखवाओ ।।

शिक्षा से ही बनती पहचान,
शिक्षित होकर नाम कमाओ।
शिक्षा से वंचित न हो कोई बच्चा,
निपुण भारत का लक्ष्य अपनाओ।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

17/04/2026

शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1

स्कूल चलो अभियान

हर गाँव की गली-गली,
टोली-रैली बढ़ी चली।
स्कूल चलो अभियान है,
सबको देता सम्मान है।।

गतिविधि से सभी पढ़ेंगे,
पाकर शिक्षा आगे बढ़ेंगे।
शिक्षा है अनमोल रतन,
सफलता की सीधी चढ़ेंगे।।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली,बागपत

2

स्कूल चलो

बेसिक के हम नन्हें मुन्ने,
रोज स्कूल पढ़ने जायेंगे।
स्कूल के हम चाँद सितारे,
नये-नये दोस्त बनायेंगे।।

स्मार्ट टीवी लैपटॉप से,
नयी-नयी किताबें पढ़ेंगे।
प्रतिदिन पौष्टिक आहार से,
पढ़ने में खूब मन लगायेंगे।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

3

शिक्षा का महत्व

शिक्षा का उजाला अब,
हर घर तक पहुँचाना है।
बेटा हो, या हो बेटी अब,
सबको अब पढ़ाना है।।

ज्ञान का दीप जलाकर,
अशिक्षा को मिटाना है।
जन-जन को जागरूक करके,
शिक्षा का महत्व बताना है।।

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4

स्कूल की घंटी

बजती जब स्कूल की घंटी,
हम सब पढ़ने को जातें।
साथियों का अभिवादन कर,
गुरुजनों को शीश नवाते।।

पढ़ते पाठ, सीखते बातें,
शिक्षक नव अध्याय पढ़ाते।
इतिहास रचेंगे आगे बढ़कर,
यही स्वप्न आँखों में सजाते।।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत

18/04/2025 शनिवार

बाल साहित्य सृजन

1 शिक्षा चौपाल

मेरी पुस्तक बड़ी ही प्यारी,
सुंदर-सुंदर चित्रों वाली।
दुनियाभर की सैर करती,
अच्छी बातें हमें बताती।।

सपनों की नगरी ले जाती,
कल्पना लोक की सैर कराती
कविता कहानी हमें सिखाती
पढ़ना-लिखना हमें बताती।।

रचना- सुमन पांडेय (प्र०अ०)
प्राथमिक विद्यालय टिकरी मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

2 मेरी कक्षा

मेरी कक्षा ज्ञान का मंदिर,
सपनों का है आँगन।
यहाँ सजे हर दिन,
ज्ञान कोना, जो है पावन।।

मेरी कक्षा प्रेरणा देती,
ऊँचे लक्ष्य बनाऊँ।
मेहनत की सीढ़ी चढ़कर,
मैं बच्चों का मान बढ़ाऊं।।

सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कंपोजिट उ० प्रा० वि० खजनी
(रुद्रपुर), गोरखपुर

3 मेरी टीचर

कठिन प्रश्न आसान बनाती,
शिक्षा का वह दीप जलाती।
बड़े प्यार से हम सबके,
सपनो को पंख दे जाती।।

ज्ञान का है छुपा समन्दर,
मेरी टीचर के अन्दर।
मेरी टीचर मुझे सिखाती,
सच्चाई, ईमानदारी, मेहनत।।

रचना- रूपी त्रिपाठी(स०अ०)
उ०प्रा०वि०लोहारी(1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

4 मेरा स्कूल

सबसे प्यारा, सबसे न्यारा,
सबसे अच्छा मेरा स्कूल।
पढ़ना-लिखना मुझे सिखाये,
झूठ बोलना गया मैं भूल।।

ज्ञान मिलता मुझे यहाँ से,
अच्छे दोस्त मिलें जहाँ से।
अच्छे शिक्षकों से पढ़ता,
पौष्टिक भोजन मिलता।।

रचना- प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

सोमवार

बाल साहित्य सृजन

20.04.2026

1 मेरी कक्षा...

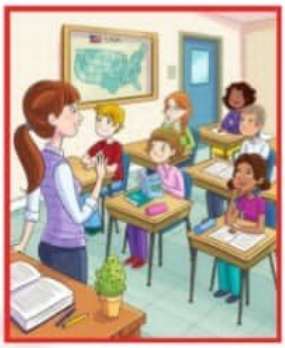

कक्षा कक्ष विद्यालय के,
हमने बहुत सजाए हैं।
बच्चे जल्दी याद करें,
पहाड़े भी लिखवाए हैं।।

रंग-बिरंगे चार्ट लगे हैं,
पेन्टिंग भी हैं बनी हुई।
शिक्षण अधिगम सामग्री से,
दीवारें भी हैं सजी हुई।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

2 खेल का मैदान

हर स्कूल में होता है,
एक खेल का मैदान।
तरह-तरह के खेल खेलते,
आती चेहरे पर मुस्कान।।

भरपूर मनोरंजन के साथ,
पी० टी०, व्यायाम बच्चों का होता।
अच्छा स्वास्थ्य बच्चों का होता,
सर्वांगीण विकास बच्चों का होता।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
निवाड़ा, बागपत

3 विद्यालय की रसोई

रसोई हमारे विद्यालय की,
सदा महकती रहती है।
खाने को बढ़िया चीजें,
नित हमको यह देती है।।

सब्जी-रोटी, दाल-चावल ,
कभी तहरी भी मिलती है।
जब भोजन बन जाता है,
तब नित्य रसोई धुलती है।।

रचना-
बृजराजसारस्वत (स०अ०)
उ०प्रा०वि०गोपालगढ़ (1-8)
नगरक्षेत्रमथुरा, मथुरा

4 पुस्तकालय

प्रिय मुझको मेरा विद्यालय,
बना यहाँ सुन्दर पुस्तकालय।
ज्ञान और मनोरंजन भरपूर,
दुनिया किताबों की मशहूर।।

कुछ लटकी रस्सी में किताबें,
कुछ बुक रैक में सजायी हैं।
मिलकर सारे साथी मेरे,
करते यहाँ पढ़ाई हैं।।

रचना-
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

21.04.2026 मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1 नामांकन वृद्धि

शिक्षक गाँव में सर्वे कर,
बच्चों को नामांकित करता।
शिक्षा है अनमोल खजाना,
रैली निकाल सबको बताता।।

निःशुल्क सामग्री वितरण कर,
प्रवेशोत्सव मनाया जाता।
बच्चों का दाखिला कर,
नामांकन वृद्धि सफल होता।।

रचना-
उमा ठाकुर (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि०- राजपुर
मथुरा, मथुरा

2 ईको क्लब

लईको-क्लब कर रहा जागरण,
देखें कैसा पर्यावरण।
करना है मिलकर परिवर्तन,
और हटाना दूर प्रदूषण।।

स्वच्छ, हरित-चेतना संबर्धन,
अपने ढँग से करें प्रबन्धन।
हमें बचाना होगा जल को,
रखें सुरक्षित साधन कल को।।

रचना-
प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के०जी०बी०वि०- नगर क्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज

3 निपुण तालिका

बच्चों को क्या पढ़ाना है?
निपुण तालिका बताती है।
इसके अनुसार तुम पढ़ाना,
लक्ष्य तक पहुँचाती है।।

कक्षाओं का लक्ष्य निर्धारित,
उपयोगी संसाधन कहलाये।
गिनती, कविता, शब्द आये,
निपुण तालिका राह दिखाये।।

रचना-
शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

4 प्रेरित अभियान

बेसिक के स्कूलों में,
छात्र अधिक नामांकित होवें।
'स्कूल चलो अभियान' की रैली,
प्रेरित करे, हर गली में जब घूमें।।

अभिभावकों से सम्पर्क करें,
शिक्षक इससे नामांकन बढ़े।
शिक्षण अच्छा लेकर बच्चा,
जीवन-पथ पर आगे बढ़े।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

22/04/2026 बुधवार

बाल साहित्य सृजन

1 नामांकित छात्र

आओ सब नामांकन कराओ,
शिक्षित भारत अपना बनाओ।
सब पढे सब बढ़े हम सब लोग,
ज्ञान की गंगा सब ओर बहाओ।।

विद्यालय मे नामांकित हो छात्र,
तभी सुशिक्षित सभ्य बनेगा छात्र।
सभ्य, सुशिक्षित भारत हो अपना,
पूरा होगा खुशहाल देश का सपना।।

इला सिंह(स.अ)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा
अमौली फतेहपुर

2 सुंदर परिवेश

सुंदर परिवेश जब विद्यालय का होगा,
बच्चों का मन विद्यालय में लगेगा।
प्रिंट रिच दीवारों को बनाएं,
पौधारोपण कर हरियाली लाएं।।

बच्चों में ज्ञान वृद्धि होगी,
अपने को मन संतुष्टि होगी।
अपना मन भी खूब लगेगा,
समाज में भी नाम बढ़ेगा।।

माला सिंह(स०अ०)उच्च
प्रा०वि०-भरौटा(1-8)
ब्लॉक-सरधना
जनपद-मेरठ

3 शिक्षा की मिसाल

शिक्षा की मिशाल लेकर,
घर-घर उसे हम जलाये।
बड़े बच्चे सब मिलकर,
शिक्षा को फैलाये।।

अज्ञानता का अंधेरा,
दूर हमको भगाना है।
ज्ञान की ज्योत जलाकर,
शिक्षित सबको बनाना है।।

आरती यादव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनियां -1
सरवनखेड़ा कानपुर देहात

4 निपुण छात्र

निपुण छात्र बनकर दिखलाएं,
भाषा गणना में अव्वल आएं।
निपुण विद्यालय से बढ़ता मान,
शिक्षा से होता हर समाधान।।

निपुण छात्र बनने का उत्साह,
हर छात्र खुशी से करता प्रयास।
सरकार विद्यालयों का बदला रूप,
निपुण योजना है चमकती धूप।।

नीलम भास्कर (स०अ०)
पी एम श्री उ०प्रा०वि०सिसाना
बागपत, बागपत

23/04/2026

बाल साहित्य सृजन

गुरुवार

1

शिक्षा का जादू

करें तैयारी स्कूल की,
रोज़ हमें है जाना।
बिना पढ़े लिखे को तो,
पशु माने ये ज़माना।।

गणित, भाषा, विज्ञान में,
जादू होता है मानो।
शिक्षा से तुम लगन लगाओ,
इसका मोल अब जानो।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत

2

सपने सच होंगे सारे

नन्हे-मुन्ने बच्चे सारे,
चलें स्कूल हमारे प्यारे।
कंधे पर अपना बैग सजाएँ,
खुश होकर सब कदम बढ़ाएँ॥

पढ़ना-लिखना सीखेंगे,
आगे बढ़कर जीतेंगे।
रोशन होगा अपना नाम,
पूरा होगा हर एक काम॥

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर

3

विद्यालय आओ शिक्षा पाओ

विद्यालय आने की करो तैयारी,
नामांकन है अभी भी जारी।
खेल-खेल में पढ़ना सीखो,
पढ़ना लिखना नहीं है भारी।।

वातावरण भी हरा भरा है,
सुसज्जित कक्षा लगती प्यारी।
विद्यालय रूपी इस बगिया के,
नन्हें-मुन्ने बच्चें हैं फुलवारी।।

पारुल चौधरी (स॰अ॰)
प्राथमिक विद्यालय बसी-3
खेकड़ा, बागपत

4

स्कूल जायेंगे

कापी, बस्ता हम लायेंगे,
स्कूल पढ़ने हम जाएंगे।
अक्षर, शब्द का होगा ज्ञान,
कक्षा में प्रवेश पाएंगे।।

खेल-खेल में सीखेंगे बातें,
शिक्षक नई दुनिया दिखायेंगे।
विविध गतिविधियों संग हम,
डिजिटल शिक्षा भी पाएंगे।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

24/04/2026 शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1 शिक्षा है जरूरी

घर-घर शिक्षा ज्योत जलाएँ,
हर बच्चे का भविष्य बनाएँ।
शिक्षा का महत्व बताकर,
लोगों को जागरूक बनाएँ।।

बच्चों का जीवन महकाएँ,
खेल-खेल में उन्हें सिखाएँ।
शिक्षा बहुत जरूरी सबको
प्रगति की राह उन्हें दिखाएँ।।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली,बागपत

2 शिक्षा की ज्योति

घर-घर जाकर हम सब,
शिक्षा ज्योति जलायेंगे।
साक्षरता के प्रतिशत को,
सब मिलकर बढ़ायेंगे।।

बेसिक स्कूल के नवाचार,
शिक्षा गुणवत्ता बढ़ायेंगे।
निःशुल्क शिक्षा की महत्ता,
सबको जरूर समझायेंगे।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

3 शिक्षा का अधिकार

शिक्षा का अधिकार अब,
हर एक बच्चा पाएगा।
शिक्षा की रोशनी से,
जीवन को महकाएगा।।

सीख लेकर गुरुजनों से,
व्यक्तित्व महान बन जायेंगे।
प्रगति के पथ पर बच्चे,
आगे बढ़ते ही जायेंगे।।

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4 शिक्षा

शिक्षा है सबका अधिकार,
शिक्षा सबका हक है,
शिक्षा हर बच्चे का सपना,
शिक्षा जीवन का सबक है।।

बच्चा-बच्चा पढ़े,
पढ़-लिख कर आगे बढ़े।
उठो, पढ़ो और आगे बढो,
शिक्षा को अपना हक समझो।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत

25/04/2025 शनिवार

बाल साहित्य सृजन

1 सांस्कृतिक कार्यक्रम

सांस्कृतिक कार्यक्रम से,
होता सामाजिक जुड़ाव।
विकसित होती संस्कृति,
होता कौशल विकास।।

विभिन्न क्षेत्रों में मिलते अवसर
होता क्षमता विकास।
रुचियाँ होती विकसित
बढ़ता आत्मविश्वास।।

रचना- सुमन पांडेय (प्र०अ०)
प्राथमिक विद्यालय टिकरी मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

2 खेलकूद

खेलकूद जीवन का सुन्दर,
उत्सव सा उपहार।
तन-मन दोनों को दे जाता,
खुशियों का संसार।।

स्वस्थ शरीर, प्रसन्न मन का,
यही है मूल मंत्र।
खेलकूद से खिल उठता है,
जीवन का हर तंत्र।।

रचना- सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कंपोजिट उ० प्रा० वि० खजनी
(रुद्रपुर), गोरखपुर

3 गतिविधियाँ

स्कूल की है सुबह सुहानी,
घण्टी बजते आयी रवानी।
बस्ते लेकर बच्चे आते,
खुशियों के सब गीत गाते।।

प्रार्थना से दिन की शुरुआत,
गतिविधियों का मिलता साथ।
ब्लैकबोर्ड पर लिखते अक्षर,
संगीत की कक्षा में गूँजते है स्वर।।

रचना- रूपी त्रिपाठी(स०अ०)
उ०प्रा०वि०लोहारी(1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

4 टी०एल०एम०

टीचिंग लर्निंग मैटेरियल,
टीचिंग का है जरूरी हिस्सा।
इसके बिना पाठ का,
रहता है अधूरा किस्सा।।

पाठ की समझ को बढ़ाता है,
विषय को रोचक बनाता है।
भाषा सीखें आसानी से,
गणित भी सीखें टी०एल०एम से।।

रचना- प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

सोमवार

27.04.2026

बाल साहित्य सृजन

1

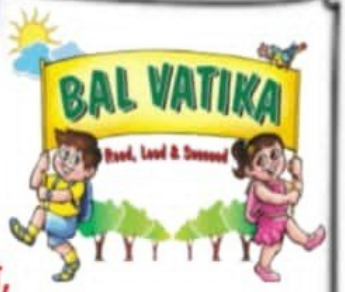

बाल वाटिका

बाल वाटिका कहते उसको,
छोटे-छोटे बच्चे पढ़ते जहाँ।
तरह-तरह के खेल खेलते,
खेल-खेल में सीखें यहाँ।।

नए-नए दोस्त बनाते बच्चे,
नाचते- गाते प्यारे बच्चे।
शुरुआत करते आगे बढ़ने की,
उम्र तीन से छ: पढ़ने की।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
निवाड़ा, बागपत

2

स्कूल चलो अभियान

स्कूल चलो स्कूल चलो,
चलो चलो स्कूल चलो।
नई किताबें आएंगी,
नई बात बतलाएंगी।।

नई ड्रेस पहन कर के,
नए बैग को लेकर के।
ऊधम खूब मचाएँगे,
हम स्कूल पढ़ने जाएँगे।।

रचना-
बृजराजसारस्वत (स०अ०)
उ०प्रा०वि०गोपालगढ़ (1-8)
नगरक्षेत्रमथुरा, मथुरा

3

प्यारी मीना

बड़ी चतुर और होशियार है,
अपनी प्यारी बेटी मीना।
सबको हिम्मत देती रहती,
सिखलाती हर हाल में जीना।।

शक्तिपरी बनें सब बालिकाएँ,
हर मुश्किल का हल सुलझाती।
विद्यालय में गठित कमेटी,
मीना मंच है जो कहलाती।।

रचना-
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

4

प्रवेशोत्सव

नन्हें-नन्हे बच्चे,
पहली बार विद्यालय आएँ।
उनके यहाँ आने पर,
प्रवेशोत्सव हम मनाएँ।।

मस्तक तिलक करें स्वागत,
गुब्बारे भी लगवाए।
नए-नए खेल कराकर,
मन में उमंग जगाए।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

28.04.2026 मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1 स्वच्छ वातावरण

परिवेश को साफ-सुथरा रखना,
स्वच्छ वातावरण कहलाता।
वायु, जल और मिट्टी को,
हानिकारक तत्वों से बचाया जाता।।

शारीरिक स्वास्थ्य के लिए,
स्वच्छ वातावरण जरूरी होता।
अच्छी आदतें विकसित कर,
स्वच्छता का महत्व बताता।।

रचना-
उमा ठाकुर (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि०- राजपुर
मथुरा, मथुरा

2 शैक्षिक कैलेण्डर

वर्षा के पूर्व व्योम में ज्यों,
मेघाडम्बर आवश्यक है।
शैक्षिक-सत्र के संचालन हेतु,
शैक्षिक-कलैण्डर आवश्यक है।।

कब कहाँ कार्य क्या करना,
हम सुगम मार्ग चयनित करते।
गतिविधियाँ क्या कैसे होंगी?
शैक्षिक कलेण्डर में अंकित करते।।

रचना-
प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के०जी०बी०वि०- नगर क्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज

3 पाठ्यक्रम

ज्ञान की बातें हमें बताता,
सही-गलत का मार्ग दिखाता।
जीवन के उद्देश्य सीखाता,
नैतिकता का मार्ग दिखाता।।

सही क्रम में पढ़ना सिखाये,
सारे विषय का ज्ञान कराये।
हिन्दी, गणित, अंग्रेजी, इतिहास,
पढ़ो, विज्ञान बढ़ाओ विश्वास।।

रचना-
शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

4 मासिक टेस्ट

छात्रों के अधिगम स्तर,
मासिक टैस्ट से मापा जाता।
माह में पढ़ाए गये पाठों से,
टैस्ट में प्रश्नों को रखा जाता।।

शब्दों की गलती, मात्रा की,
लेख की भी बतायी जाती।
निपुण तालिका में टैस्ट लेकर के,
बच्चों की प्रोग्रैस चढ़ायी जाती।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

29/04/2026 बुधवार

बाल साहित्य सृजन

1

शिक्षित समाज

शिक्षित समाज हम बनायेगे,
हर छात्र का नामांकन करायेगे।
संस्कारो,मूल्यो का ज्ञान मिलेगा,
हर छात्र सभ्य,सुशिक्षित बनेगा।।

भ्रष्टाचारमुक्त देश,समाज बनेगा,
ज्ञान का दीप सब ओर जलेगा।
शिक्षित समाज मे कोई डर न होगा,
भारत तब विश्व गुरू बन चमकेगा।।

इला सिंह(स.अ)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा
अमौली फतेहपुर

2

शिक्षा है अमूल्य धन

शिक्षा है अमूल्य धन,
इसको कोई नहीं बांट सकता।
जो भी जितना हासिल करता,
वह उतना ही आगे बढ़ता।।

बच्चों को हम प्रेरित करेंगे,
सबको शिक्षा पानी है।
सर्वांगीण विकास अपना करके,
जग में पहचान बनानी है।।

माला सिंह(स०अ०)उच्च
प्रा०वि०-भरौटा(1-8)
ब्लॉक-सरधना
जनपद-मेरठ

3

सब पढ़ें सब बढ़े

सबको साथ लेकर चलना है,
सबको जागरूक करना है।
शिक्षा के महत्व को समझाना है,
देश का विकास करना है।।

हर बच्चा जब पढ़ेगा,
तब समाज हमारा बढ़ेगा।
निरक्षर कोई रह न पायें,
शिक्षा को अब हर घर फैलाये ।।

आरती यादव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनियां -1
सरवनखेड़ा कानपुर देहात

4

नामांकन प्रयास

बच्चों से ही स्कूल मुस्काए,
इन्हीं से प्रांगण खिलखिलाए।
हर छात्र को स्कूल तक पहुंचना,
नामांकन करवा उन्हें है पढ़ाना।।

नामांकन रैली आयोजन कर,
शिक्षा का महत्व है समझना।
हर बच्चा पाए स्कूली ज्ञान समझ,
नामांकन कर उसे आगे है बढ़ना।।

नीलम भास्कर (स०अ०)
पी एम श्री उ०प्रा०वि०सिसाना
बागपत, बागपत

बाल साहित्य सृजन

1

बेटा-बेटी शिक्षित हों

बेटा- बेटी दोनों को,
स्कूल में भेजो ज़रूर।
दोनों पढ़कर नाम कमायें,
पायें ये शिक्षा भरपूर।।

दोनों की किस्मत चमकें,
जब फैले शिक्षा का नूर।
खूब पढ़ें और आगे बढ़ें,
रहें असमानता से दूर।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत

2

चलो चलें हम स्कूल की ओर

चलो चलें हम स्कूल की ओर,
ज्ञान मिलेगा हर इक छोर।
किताबें देंगी नई उड़ान,
सपनों को मिलेगा आसमान॥

मिलकर पढ़ें, बढ़ें सब साथ,
शिक्षा से रोशन होगा पथ।
छोड़ो डर और बहाने सारे,
स्कूल चलें हम प्यारे-प्यारे॥

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर

3

स्कूल चले हम।

नयी किताबें, नया बस्ता,
लेकर स्कूल चले हम।
मिलेगा जीवन का रस्ता,
देखने स्कूल चले हम।।

रहे बचपन जहां हंसता,
बस उसी स्कूल चले हम।
सरकार ने शिक्षा को किया सस्ता,
सरकारी स्कूल चले हम।

पारुल चौधरी (स॰अ॰)
प्राथमिक विद्यालय बसी-3
खेकड़ा, बागपत

4

शिक्षा का अधिकार

अब ना छूटे कोई बच्चा,
स्कूल के द्वार खुले हो अच्छा।
6-14 वर्ष तक मुक्त शिक्षा पाये,
शिक्षा का अधिकार अपनायें।।

सरकारी या हो प्राइवेट स्कूल,
शिक्षा हो अब सबके अनुकूल ।
25% आरक्षण निजी स्कूलों में पायें,
उचित छात्र-शिक्षा अनुपात अपनायें ।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

मिशन शिक्षण संवाद

बाल साहित्य सृजन

रचनाकारों की सूची

1- बृजराज सारस्वत, मथुरा
2- भावना शर्मा, मेरठ
3- शिखा वर्मा, सीतापुर
4- सीमा शर्मा, बागपत
5- नैमिष शर्मा, मथुरा
6- उमा ठाकुर, मथुरा
7- शहनाज़ बानो, चित्रकूट
8- प्रबीणा दीक्षित, कासगंज
9- आरती यादव, कानपुर देहात
10- इला सिंह, फतेहपुर
11- नीलम भास्कर, बागपत
12- माला सिंह, मेरठ
13- पारुल चौधरी, बागपत
14- वन्दना यादव, जौनपुर
15- शिप्रा सिंह, फतेहपुर
16- ज्योति सागर, बागपत
17- पूनम नैन, बागपत
18- अमित गोयल, बागपत
19- अनुप्रिया यादव, फतेहपुर
20- मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
21- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
22- सुमन पाण्डेय, फतेहपुर
23- सुषमा त्रिपाठी, गोरखपुर
24- रूपी त्रिपाठी, कानपुर देहात

तकनीकी सहयोग

1- नैमिष शर्मा, मथुरा

2- जितेन्द्र कुमार, बागपत

मार्गदर्शन- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन :- काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम